STEPPING STONE
SCHOOL (HIGH)

CLASS :7

Subject:2ndLang(Hindi)
Date:25.06.20
Topic:: Hindi Literature (chapter _Gulaam)

Worksheet No.:22

FOR CLASSES VI-VIII

. Please read the chapter from your text book and the attached notes.
. Then work out the exercises neatly in your notebooks henceforth.
. Ensure neat and tidy work.
. Do not write above the red line of the notebook pages.
. Use notebook with ..... pages and write with blue ink.
. Make a contents page first with columns under the heads as given below:

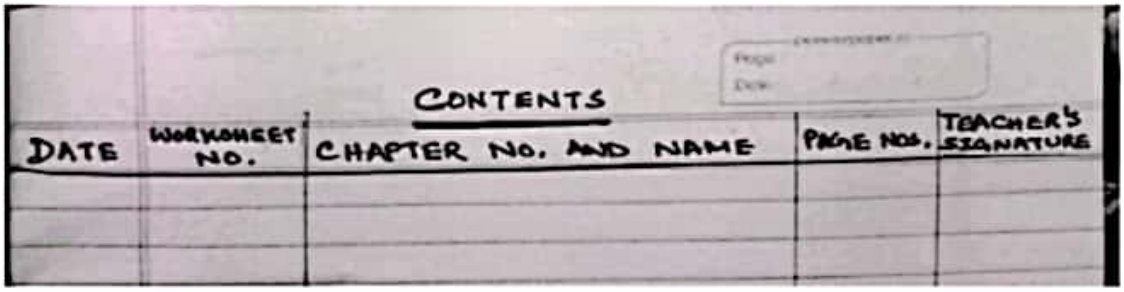

CONTENTS

DATE	WORKSHEET NO.	CHAPTER NO. AND NAME	PAGE NOS.	TEACHER'S SIGNATURE

Classes 6to 8
1) ruled -120 pages (1) for (lit+rapid reader)
2) ruled-68 pages (1) for grammar
3) ruled-68 pages (1) for (essay, letter & comprehension)

***

Scanned with CamScanner

7 गुलाम

गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा मानव एक असहनीय और कष्टकारी जीवन व्यतीत करता है। पराधीनता में मिले सुख को भी ठुकराकर वह स्वतंत्रता की खुली हवा में साँस लेना चाहता है क्योंकि स्वतंत्रता का जीवन जीना प्रत्येक मानव का जन्मसिद्ध अधिकार है। प्रस्तुत पाठ में लेखक ने इसी भावना को दर्शाया है।

आज से लगभग 150 वर्ष पहले लोगों को गुलाम बनाकर रखने की परंपरा थी। उस समय अमेरिका में बस्ती बसाकर रहने वाले यूरोपियन लोग गुलामों से खेती का काम लिया करते थे। संसार में गुलामों का व्यापार खूब बढ़ा-चढ़ा था और सभ्य कहलाने वाले देश भी इस व्यापार में सहायक थे। अफ्रीका के आदिवासी भेड़-बकरियों की तरह पकड़ लिए जाते और पशुओं के मोल बेच दिए जाते थे। काफ़ी समय तक अमेरिका में गुलामों का व्यापार ज़ोर पकड़ता रहा। अमरीकी लोग उनके साथ कठोरता का व्यवहार करते थे। ऐसे लोग उँगलियों पर गिने जाने योग्य थे, जिनका व्यवहार गुलामों के साथ सभ्य कहा जा सकता था।

अमेरिका के एक गाँव में एक बहुत ही मालदार यूरोपियन व्यापारी रहा करता था। उसका नाम जार्ज था। आसपास के अनेक गाँव जार्ज के अधिकार में थे। इतनी बड़ी खेती के लिए उसने दर्जनों गुलाम खरीदकर रख छोड़े थे और उन्हीं से वह हल जुतवा कर खेती करवाया करता था। वैसे तो खेती के लिए वहाँ घोड़ों की कमी नहीं थी, तो भी जार्ज को गुलामों से ही खेती करवाने में अधिक लाभ था, क्योंकि गुलामों की अपेक्षा घोड़ों की कीमत कहीं ज़्यादा होती थी। फिर उनके खिलाने-पिलाने और देखभाल में अधिक परेशानी उठानी पड़ती थी।

गुलामों को रखकर जार्ज इन झंझटों से छुटकारा पा गया, साथ ही साथ उनसे अपनी

Scanned with CamScanner

ज़रूरत के दूसरे काम भी लेता। उन्हें पहनने के लिए एक लंगोटी और सुबह-शाम चार रोटियाँ दे दे काफ़ी था। रात को वह उन्हें अस्तबल सरीखे एक कमरे में रखता, और ऊपर से पहरा, क्योंकि गुलाम निकल भागने की कोशिश किया करते थे।

एक दिन जार्ज जब बाहर से आए गुलामों से भरे एक जहाज़ से अपने लिए गुलाम खरीदने गए एक लड़का भी खरीद लाया। यद्यपि जार्ज ने सोचा कि इसको खरीदने से वह घाटे में रहेगा, उसे वह लड़का, उस का हँसमुख चेहरा और ठिगना कद इतना पसंद आया कि वह उसे खरीदे बि रह सका।

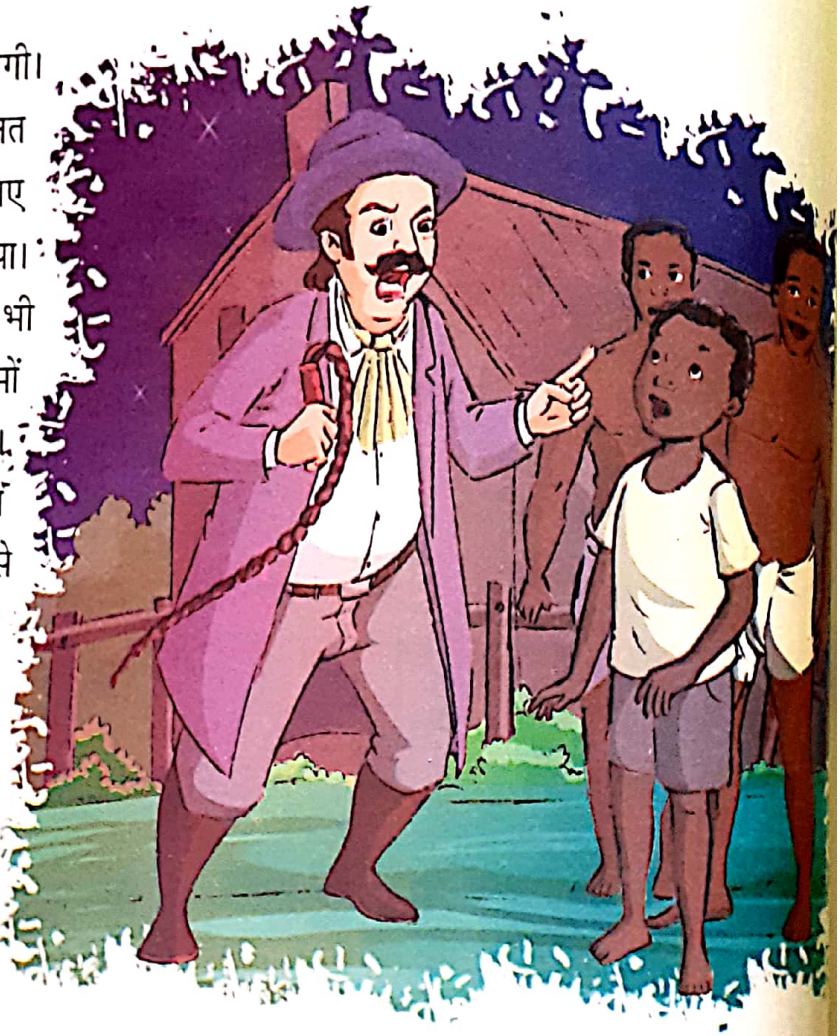

लड़के की अवस्था 15 वर्ष की होगी। उसका नाम जूजू था; क्योंकि जूजू मेहनत का काम नहीं कर सकता था, इसलिए जार्ज ने उसे अपना अरदली बना लिया। जूजू से बातचीत करके जार्ज ने यह भी अंदाजा लगा लिया कि वह और गुलामों की तरह भागने की कोशिश नहीं करेगा। इसलिए उसने जूजू को काफ़ी स्वतंत्रता भी दे दी। अन्य गुलामों की अपेक्षा उसे बढ़िया वरदी और अच्छा खाना मिलता था।

एक दिन शाम को जब जार्ज अपने कारोबार से घर लौटा, तो देखा कि जूजू गायब है। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ। सवेरे जब वह गया था तो जूजू ने सिरदर्द और बुखार बताकर उसके साथ जाने में लाचारी प्रकट की थी। अब जार्ज को यकीन हो गया कि जूजू भाग निकला है। वह घं यही सोचता रहा कि आखिर जूजू भागा तो क्यों?

रात को आठ बजे के करीब जूजू को दो नौकर घसीटते हुए लाए। उसे देखकर जार्ज कड़ककर बोल "क्यों जूजू, कहाँ भाग गया था?" और दस बारह हंटर उसकी पीठ पर जमा दिए। भय के मारे जू बेहोश हो गया था।

जार्ज बड़ी देर तक बिस्तर पर पड़ा-पड़ा जूजू के बारे में सोचता रहा—आखिर वह भागा क्यों? मैंने

Scanned with CamScanner

उसके साथ कोई ज़्यादती नहीं की। ज़रूर किसी दूसरे गुलाम ने उसे भड़काया होगा, नहीं तो वह भाग नहीं सकता था। यही सोचते-सोचते वह सो गया।

दूसरे दिन जार्ज ने जूजू को हाथ के इशारे से पास बुलाया, और कड़ककर पूछा, "क्यों भागा था? अब तो नहीं भागेगा?"

जूजू ने केवल सिर हिला दिया। जूजू फिर पूर्ववत काम करने लगा।

जूजू को इस प्रकार काम करते कई महीने बीत गए। जार्ज को अब पूरा विश्वास हो गया कि वह अब नहीं भागेगा। उसने जूजू की सुविधाएँ और भी बढ़ा दीं।

एक रात को जार्ज सो रहा था। अचानक मकान के पास बड़े जोरों का हो-हल्ला मचा। जार्ज की नींद खुल गई। वह जब उठकर बाहर आया तो देखा कि दो पहरेदार जूजू को पकड़े उसी की ओर चले आ रहे हैं। जूजू की बगल में एक काली पोटली थी। यह मालूम होने पर कि जूजू ने फिर भागने की कोशिश की जार्ज का खून खौलने लगा। उसने खूँटी पर से हंटर उतारा और कड़ककर पूछा, "क्यों, नमकहराम! तूने फिर भागने की कोशिश की?... बोलता क्यों नहीं?"

"मालिक, यह मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि अब मैं चाहे कितनी ही माफ़ी माँगूँ, प्रार्थना करूँ, पर मुझे सज़ा अवश्य मिलेगी। जो कुछ मैंने किया है उसका फल भोगने के लिए मैं तैयार हूँ," जूजू ने निडर होकर उत्तर दिया।

जूजू का साहस भरा उत्तर सुनकर जार्ज क्षणभर के लिए स्तंभित-सा रह गया। हंटर कुछ नीचे झुक गया। उसने रोषपूर्ण स्वर में पूछा, "मैंने तेरे साथ क्या नहीं किया? क्या तू नीच और कृतघ्न नहीं है?"

जूजू ने उसी स्वर में उत्तर दिया, "मैं आपका आभारी हूँ, पर आज़ादी की चाह मुझे भगा ले गई। वैसे मैं आपका खरीदा हुआ गुलाम हूँ"

"आज़ादी?... तुझे यहाँ किस बात की कमी है? मैंने तुझसे कोई बेजा काम नहीं लिया। मेरे उपकारों को भूलकर, मेरी उदारता से नाज़ायज फ़ायदा उठाकर, उनका बदला इस प्रकार चुकाना चाहता है?"

"मालिक, आप ठीक कहते हैं। आपने मेरे ऊपर जो भी दया दिखलाई, जो भी उपकार किए, उनके लिए मैं कृतज्ञ हूँ। लेकिन आज़ादी के सामने यह सब कुछ तुच्छ है। आपने मेरी आज़ादी छीन ली है।"

"क्या कहा! मैंने तेरी आज़ादी छीन ली है? गलत है। मैंने रुपए देकर तुझे खरीदा है। इसमें मेरा क्या दोष है?" जार्ज गुस्सा पीकर तर्क पर उतर आया।

"मालिक, क्या आपने मुझे मेरी मरज़ी से खरीदा था?" जूजू का प्रश्न कमरे में गूँज उठा।

"क्या कहा! क्या कहा! मरज़ी? तेरी राय की कीमत ही क्या है? तूने अपना हक तो पहले ही बेच डाला था।"

Scanned with CamScanner

"जी, नहीं। यह सच है कि मैं गुलाम बन चुका था, परंतु आप यह नहीं कह सकते कि मैं अपनी राय का हक खो चुका था। मेरे बाप को दुश्मन धोखा देकर मुझे बंदरगाह ले आए और जहाज़ में कैद कर दिया। बाद में आपके हाथों मुझे बेच डाला। मेरे साथ जुल्म हुआ है। मुझे जबरदस्ती गुलाम बनाया गया।" जूजू के स्वर में उत्तेजना थी।

"तेरी बात ठीक हो सकती है, लेकिन मैं ही अकेला गुलाम थोड़े ही खरीदता हूँ.... दुनिया खरीदती है," जार्ज बच्चे के तर्क में पूरी तरह उलझ गया था।

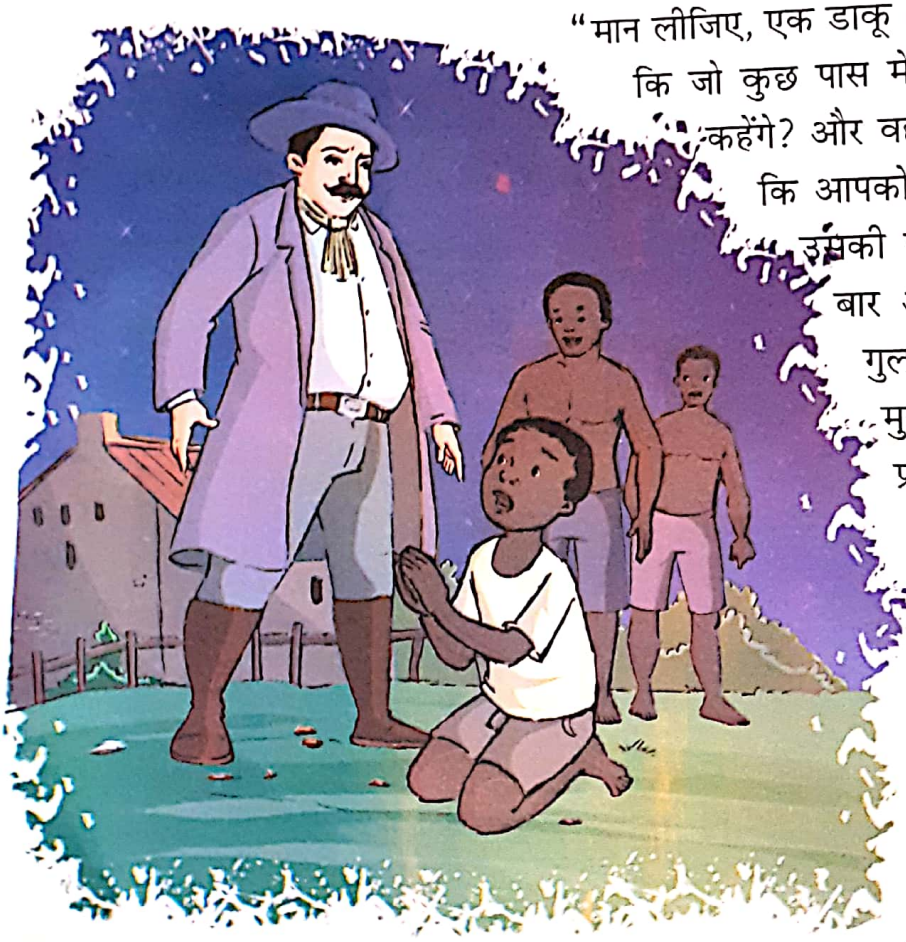

"मान लीजिए, एक डाकू आपकी छाती पर तलवार रखकर कहे कि जो कुछ पास में है दे दो, तो क्या आप इसे इंसाफ कहेंगे? और वह डाकू आपके ही समान कहने लगे कि आपको लूटना उसका धर्म है, तो क्या आप उसकी बात मान लेंगे? जिस आदमी ने एक बार आज़ादी का स्वाद ले लिया है, वह गुलामी के रंगमहल में उदास रहेगा। मुझे मुक्त करके आप अपने अन्याय का प्रायश्चित कर सकेंगे।"

जार्ज कुछ देर तक विचारों में डूबा रहा। फिर बोला, "इसे छोड़ दो।"

जूजू आश्चर्य में भरा जार्ज की ओर ताकता रह गया। उसकी आँखों से आँसू बह निकले। वह जार्ज के पैर पकड़कर बोला, "हुजूर, यद्यपि मैं आज से आप का गुलाम नहीं हूँ, लेकिन दिल से मैं आपका हमेशा गुलाम बना रहूँगा। आपने मेरे साथ जो उपकार किया है, उसे ध्यान में रखते हुए मैं आपको सचेत किए देता हूँ कि आपके गुलाम विद्रोह की योजना बना रहे हैं। मौका लगते ही आप पर हमला करने का षड्यंत्र है। उनके दिलों में आग के शोले भड़क रहे हैं और जिस दिन आप उन्हें दबा रखने की शक्ति खो देंगे, उसी दिन वे आपको भून देंगे।"

जार्ज ने घबराकर पूछा, "बता, जूजू, मैं क्या करूँ?"

"मैं क्या कह सकता हूँ, जैसा आप ठीक समझें।"

Scanned with CamScanner

जार्ज कुछ देर सोचता रहा, फिर अपने बिस्तर पर लेट गया।

सवेरे ही जार्ज के सब गुलामों को जब अचानक सूचना मिली कि वे आज़ाद हैं, तो सब आश्चर्यचकित रह गए। थोड़ी देर बाद वे एक-एक करके घुटने टेककर मालिक से विदा ले रहे थे।

जूजू अब भी जार्ज की अरदली में उसी प्रकार खड़ा था। उसके चेहरे पर कोई हलचल नहीं थी। सारे गुलाम आश्चर्य से जूजू को देख रहे थे।

जूजू के एक गुलाम दोस्त ने कहा, "क्या तू नहीं चलेगा?"

जूजू ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "नहीं। आज़ाद रहकर नौकरी करना बुरा नहीं है।"

जूजू ने जार्ज के आखिरी दिनों तक उसका साथ दिया और अंत में वही उसकी संपत्ति का उत्तराधिकारी बना।

शब्दार्थ (Word - Meaning)

सभ्य – भला आदमी
पूर्ववत – पहले की तरह
रोषपूर्ण – गुस्से से भरकर
बेजा – अनुचित
तुच्छ – हीन, नीच, क्षुद्र
सचेत – सावधान
सरीखे – समान, तुल्य
स्तंभित – चकित
कृतघ्न – किए गए उपकार को न मानने वाला
कृतज्ञ – उपकार मानने वाला
उत्तेजना – जोश
षड्यंत्र – किसी के विरुद्ध गुप्त रूप से योजना बनाना

(Writing Skills)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) गुलामों से खेती करवाने में अधिक लाभ था क्योंकि–

(अ) गुलाम अपने मालिकों की सेवा मन लगाकर करते थे। ☐

(ब) गुलामों की अपेक्षा घोड़ों की कीमत कहीं ज़्यादा थी। ☐

(स) गुलाम खेतों में हल आसानी से चला लेते थे। ☐

(द) गुलाम ईमानदार थे। ☐

(ख) जार्ज ने जूजू को अरदली बना लिया क्योंकि–

(अ) जूजू भागने की कोशिश नहीं कर सकता था। ☐

(ब) जूजू मेहनत का काम नहीं कर सकता था। ☐

(स) अरदली की नौकरी जूजू को पसंद थी। ☐

(द) जूजू नेक और ईमानदार लड़का था। ☐

(ग) जूजू गुलाम बन चुका था क्योंकि–

(अ) वह गुलाम बनना चाहता था। ☐

(ब) उसे धोखे से कैद करके जार्ज को बेचा गया था। ☐

(स) वह काला था इसलिए गुलामी करना उसके लिए मजबूरी थी। ☐

(द) उसके माँ-बाप ने उसे घर से बाहर कर दिया था। ☐

2. आशय स्पष्ट कीजिए

Scanned with CamScanner

WORKSHEET NO : 22

CLASS : 7

Date 25 / 06 / 20

SUB : 2ND LANG (HINDI)

पाठ - गुलाम

कहानी का सार :- आज से लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले अमेरिका में गुलाम प्रथा प्रचलित थी। वे अफ्रीका के आदिवासियों को पकड़कर उन्हें गुलाम बना लेते तथा उनके साथ बड़ी कठोरता से पेश आते।

अमेरिका का एक अमीर व्यापारी 'जार्ज' भी गुलामों को खरीदकर उनसे मनमाना काम करवाता, खाने को भी बहुत कम देता और उन्हें कड़े पेहरे में भी रखता ताकि कोई भाग न जाए।

जार्ज एक बार गुलाम खरीदने गया तो 'जूजू' नाम के एक पंद्रह वर्षीय लड़के को भी खरीद लाया। वह जूजू से गुलामों की तरह पेश नहीं आता था और उसे काफी स्वतंत्रता भी दे रखी थी। मौके का फायदा उठाकर जूजू ने एक बार भागने की कोशिश की लेकिन पकड़ा गया।

एक रात जूजू ने फिर से भागने की कोशिश की और फिर से पकड़ा गया। इस पर जार्ज बहुत क्रोधित हुआ। भागने का कारण पूछने पर जूजू ने बताया कि वह आज़ादी का जीवन जीना चाहता है। साथ ही साथ अपनी वफादारी का परिचय देते हुए उसने जार्ज को यह भी बता दिया कि सारे गुलाम उसके खिलाफ़ षड्यंत्र रच रहे हैं।

अगले दिन ही जार्ज ने सभी गुलामों को आज़ाद कर दिया। जूजू अब स्वतंत्र था लेकिन उसने जार्ज की नौकरी नहीं छोड़ी। अंत में वही उसकी संपत्ति का उत्तराधिकारी बना॥

कहानी का संदेश :- स्वतंत्रता प्रत्येक मानव का जन्मसिद्ध अधिकार है। गुलामी का जीवन अत्यंत ही कष्टकर तथा असहनीय होता है। ताकत और धन के बल पर किसी का पर अत्याचार करना बहुत बड़ा अपराध है।

शीर्षक की सार्थकता :- प्रस्तुत कहानी में गुलामों की दयनीय दशा, कष्टकर जीवन तथा उन पर होने वाले अत्याचारों को दर्शाया गया है अतः यह शीर्षक अत्यंत सार्थक है।

Scanned with CamScanner